दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 रियल एस्टेट कारोबारी से 24 करोड़ की ठगी | 5 गोरखपुर का टेराकोटा-दिवाली से पहले चमका कारोबार... | 8 भारत ने रचा इतिहास

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 46 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 11 मई, 2026

सीएम बने शुभेंदु अधिकारी

दिलीप घोष समेत चार नेताओं ने ली मंत्रिपद की शपथ

बंगाल,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में 9 मई 2026 का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। आजादी के बाद पहली बार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई और शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी पीएम मोदी के पास पहुंचे और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष समेत चार विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली।

- जिसने संघर्ष की नींव रखी, उसे राजा ने शीश नवाया!
- कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में राजनीति नहीं, बल्कि संस्कारों की जीत दिखी। प्रधानमंत्री मोदी ने 98 वर्षीय माखनलाल सरकार का आशीर्वाद लिया, जिन्होंने 1952 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जेल काटी थी। जब सत्ता के मंच पर ऐसे त्याग और तपस्या का सम्मान होता है, तो कार्यकर्ता का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है।
- भमाखनलाल जी जैसे तपस्वी कार्यकर्ताओं के लिए कमेंट्स में सादर नमन लिखें।

निष्ठा को सलाम

1952 में जेल गए माखनलाल जी आज बने बंगाल में भाजपा सरकार के साक्षी; पीएम मोदी ने लिया बुजुर्ग कार्यकर्ता का आशीर्वाद

1. दिलीप घोष– खड़गपुर सदर सीट से दूसरी बार विधायक बन हैं। मेदिनीपुर लोकसभा सीट से सांसद चुने गए थे। वे **BJP** के महासचिव और प्रदेशाध्यक्ष भी रहे। उन्होंने इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है।

2. अग्निमित्रा पॉल– अग्निमित्रा पॉल पश्चिम बंगाल की असनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से **BJP** विधायक हैं। वे 2021 में पहली बार इस सीट से विधायक चुनी गई थीं। 2026 में दूसरी बार जीत दर्ज की। उन्होंने 2022 का आसनसोल लोकसभा उपचुनाव और 2024 का मेदिनीपुर लोकसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन दोनों चुनाव हार गईं।

3. अशोक कीर्तनिया–52 साल के अशोक बनगांव उत्तर सीट से विधायक हैं। मतुआ समुदाय से आते हैं। राजनीतिज्ञ और व्यवसायी हैं।

4.खुदीराम टूडू– खुदीराम रानीबांध विधानसभा सीट से **BJP** विधायक हैं। वे पेशे से शिक्षक रहे हैं। 2026 विधानसभा चुनाव में उन्होंने **TMC** उम्मीदवार तनुश्री हांसदा को हराकर जीत दर्ज की। खुदीराम टुडू ग्रेजुएट हैं और लंबे समय से आदिवासी इलाकों में संगठन के साथ सक्रिय रहे हैं।

5. निषिथ प्रमाणिक– निषिथ मथाभांगा विधानसभा सीट से विधायक हैं। वे 2026 में पहली बार विधायक बने हैं।

इससे पहले 2019 में कूचबिहार लोकसभा सीट से सांसद रहे। केंद्र में गृह राज्य मंत्री व युवा मामलों और खेल मंत्रालय में राज्य मंत्री रह चुके हैं। हालांकि 2024 लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

31 मई से शुरू होगा कार्यकाल

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन नए नौसेना प्रमुख नियुक्त

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को देश का नया नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमांडर हैं और 31 मई को कार्यभार ग्रहण करेंगे। उनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2028 तक रहेगा। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन 1 जुलाई, 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त हुए थे और संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासलाय संयुक्त सेवा कमान एवं स्टाफ कॉलेज, श्रीवेनहैम, यूनाइटेड किंगडमय कॉलेज ऑफ नेवल वॉरफेयर, करंजाय और संयुक्त राज्य नौसेना युद्ध कॉलेज, न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड, यूएसए से शिक्षा प्राप्त की है।

दिल्ली-NCR में भीषण गर्मी का अलर्ट! लू के थपेड़ों से हाल होगा बेहाल, IMD का नया अपडेट

जनगणना–मैपिंग में मकान का सही पता नहीं चुने... फंस जाएगी स्वगणना

गोरखपुर,संवाददाता। स्वगणना के दौरान मकान का लोकेशन चुनने में दिक्कत की शिकायत राजस्वकर्मियों ने जनगणना निदेशालय से की तो वहां से एक वीडियो भेजा गया। इसमें बताया गया कि गूगल मैप में लोकेशन का चयन करके ऐप में चस्पा करें तो सही हो जाएगा। हालांकि, यह वीडियो कम लोगों के बीच पहुंचा है। इस कारण सभी लोगों को वीडियो में बताए गए तरीके की जानकारी नहीं है। जनगणना के तहत स्वगणना करते समय मैपिंग में लोकेशन दर्ज करते समय अगर मकान का सही पता और गली सलेक्ट नहीं किए तो ऐप पर आगे की प्रक्रिया नहीं बढ़ेगी।

यही नहीं, अगर इंटरनेट की कनेक्टिविटी भी कमजोर है तो स्वगणना नहीं कर पाएंगे। आपकी मदद के लिए कोई हेल्पलाइन नंबर भी नहीं है। ऐसे में स्वगणना जब 21 मई से घर पर प्रगणक आएंगे तभी हो पाएगी। शुक्रवार को बहुत सारे लोग इस समस्या से जूझते रहे और आखिरकार प्रयास बंद कर दिया। बेतियाहाता के संजीव कुमार ने बताया कि गूगल मैपिंग में बहुत दिक्कत हुई। उनके घर के पास होटल है। वह शो कर रहा था लेकिन जब गली को सलेक्ट करना चाहा तो एक्सेप्ट ही नहीं हुआ। बहुत कोशिश करने के बाद स्वगणना करना छोड़ दिया। सिविल लाइंस की रहने वाली श्वेता राय ने बताया कि उनके परिवार में 13 लोग हैं।

सम्पादकीय

आत्ममंथन के बजाय आरोपों का सहारा

विपक्ष चुनाव हारने पर ईवीएम और आयोग पर आरोप लगा रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने हार को साजिश बताया। आत्ममंथन के बजाय आरोप लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करते हैं।

विपक्षी दलों के लिए जरूरी है कि वे जमीनी मुद्दों, संगठनात्मक मजबूती और वैकल्पिक नीति का एजेंडा बनाएं। ईवीएम में गड़बड़ी और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत जैसे आरोप जनता के गले नहीं उतरते। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बीच विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए का पूरा विमर्श पश्चिम बंगाल के इर्द–गिर्द सिमटता दिख रहा है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर नतीजों को प्रभावित किया। ममता ने यहां तक कहा कि वे हार को श्साजिशश का परिणाम मानती हैं। उल्लेखनीय है कि 2014 के बाद से हुए कई चुनावों में विपक्षी दलों ने अपनी हार के कारणों का ठोस आत्ममंथन करने के बजाय आरोपों की राह अधिक चुनी है। 2014 में भाजपा की बड़ी जीत के बाद ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा जोर–शोर से उठा, जो हर चुनावी हार के बाद समय–समय पर सामने आता रहा है। हालांकि 2017 में चुनाव आयोग द्वारा आयोजित 'ईवीएम चौलेंज' में कोई भी दल मशीनों में छेड़छाड़ का दावा साबित नहीं कर पाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वीवीपैट प्रणाली को और व्यापक रूप से लागू किया गया, लेकिन ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगते ही रहते हैं। बंगाल में बात ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों से भी आगे निकल गई है। अब विपक्षी दलों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने पहले गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआइआर के तहत लाखों मतदाताओं के वोट काटे और फिर चुनाव आयोग और केंद्रीय बलों ने भाजपा के इशारे पर काम करते हुए चुनावी गड़बड़ी की। यदि चुनाव प्रक्रिया इतनी व्यापक रूप से प्रभावित की जा सकती थी, तो अन्य राज्यों तमिलनाडु या केरलम में अलग–अलग नतीजे कैसे आए? केरलम में तो कांग्रेस को प्रचंड जीत मिली है।

विपक्ष इस तथ्य को नकार देता है कि बंगाल में भाजपा की उपस्थिति कोई नई नहीं है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा वहां पैर जमाने की कोशिश सदैव करती रही। 2016 के विधानसभा चुनाव में उसे 10 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे, जो 2021 में बढ़कर 37.97 प्रतिशत हुए और अब 45.85 प्रतिशत। तृणमूल कांग्रेस के वोट 2021 के 48.02 प्रतिशत से घटकर 2024 में 40.80 प्रतिशत पर आ गए। 15 साल की एंटी इनकंबेंसी, भ्रष्टाचार के आरोप, मुस्लिम तुष्टीकरण के विरुद्ध हिंदू ध्रुवीकरण, महिलाओं की सुरक्षा और कांग्रेस, वाम दलों का तृणमूल के खिलाफ होना ममता की हार की वजहों में रहे।

चुनावी धांधली का आरोप नया नहीं है। तमाम प्रयासों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह दोषमुक्त कभी नहीं रही। दिलचस्प है कि 1952 में जब पहला चुनाव हुआ था, तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन को 9 फरवरी 1952 को एक पत्र लिखा था, मुझे समय–समय पर चुनावों के संचालन के तरीके के बारे में विभिन्न शिकायतें प्राप्त होती रही हैं।...आज सुबह मुझे उत्तर प्रदेश के बारे में शिकायत मिली कि कई स्थानों पर मतदान पेटियों को बदल दिया गया या उनके साथ छेड़छाड़ की गई।श बाद के वर्षों में बिहार, तमिलनाडु, जैसे कई राज्यों में भी चुनावी गड़बड़ियां होती रहीं।

1995 में बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त बूथ लूट और हिंसा रोकने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ने पहली बार कई चरणों में चुनाव कराए। राज्य में बड़े पैमाने पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती भी की गई। उस वक्त लालू यादव खुलकर टीएन शेषन के खिलाफ बोलते थे। बंगाल में चुनावी हिंसा की अति हो गई थी। 2014 के लोकसभा चुनाव के वक्त बंगाल में चुनावी हिंसा में सात मौतें और करीब 2,652 लोग घायल हुए। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान तो 300 से ज्यादा हिंसक घटनाओं में 58 मौतें हुईं।

इन हालात में केंद्रीय बलों की मौजूदगी ने अगर मतदाताओं को भयमुक्त होकर वोट डालने के लिए प्रेरित किया तो इसे गलत कैसे कहा जा सकता है? क्या ये भी एक वजह नहीं है कि बंगाल में मतदान के पहले चरण में 93.19 और दूसरे चरण में 91.66 प्रतिशत वोट पड़े? इसमें कोई शक नहीं कि एसआइआर का क्रियान्यवन और बेहतर होना चाहिए था, पर विपक्षी दलों की एसआइआर पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश सिर्फ एक नैरेटिव बनाने का ही दांव है, जिसका उन्हें लाभ कम और लोकतांत्रिक ढांचे को नुकसान अधिक है। बिहार में भी यही कोशिश हुई थी, जहां एसआइआर के बाद 65 लाख लोगों के नाम कटे थे, पर नाम जोड़ने के लिए औपचारिक आवेदन सैकड़ों में भी नहीं हुए। संभव है कि बंगाल में एसआइआर के चलते कुछ लोग मतदान से वंचित हुए होंगे, पर विपक्ष वास्तव में एसआइआर के मुद्दे पर चिंतित था, तो उसे बयानबाजी से आगे बढ़ना चाहिए था। यदि वह पांच–सात हजार प्रभावित लोगों को ही आगे कर देता, तो मुद्दा राजनीति के केंद्र में आ जाता, पर केवल बयानबाजी होती रही। तथ्य यह भी है कि एसआइआर के तहत जहां अधिक नाम कटे, वहां भाजपा के साथ टीएमसी ने भी जीत हासिल की है। लोकतंत्र में सवाल उठाना आवश्यक है, किंतु हर चुनावी हार को साजिश बताना खतरनाक प्रवृत्ति है। इससे न केवल संस्थाओं पर अविश्वास बढ़ता है, बल्कि वास्तविक मुद्दों से ध्यान भी भटकता है। विपक्षी दलों के लिए जरूरी है कि वे जमीनी मुद्दों, संगठनात्मक मजबूती और वैकल्पिक नीति का एजेंडा बनाएं। ईवीएम में गड़बड़ी और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत जैसे आरोप जनता के गले नहीं उतरते।

तीसमार खां बनने का जुगाड़

यहां काम से प्रचार का महत्त्व अधिक हो गया है। उपलब्धि से अधिक सफलता की घोषणा का। राजनीति में रहना है तो पहले तीसमार खां का जयघोष करना सीखो, और फिर जल्द से जल्द अपना जयघोष करवा के तीसमार खां को पछाडना सीखो। तीसमार खां बने रहना किसी का जन्म सिद्ध अधिकार नहीं, जबकि परिवारवादी तो यही चाहते हैं कि अगर आज, किसी तरह साम दाम दंड भेद से वे तीसमार खां बन गए हैं, तो उनके नाती–पोते भी यही उपाधि धारण किए रहें। परंतु इसके लिए कथनी और करनी में अंतर होना आवश्यक है। गाली परिवारवाद को दो, लेकिन अपने बेटे और पोते का भविष्य संवारने के बाद। कोई आलोचक इस विसंगति के बारे में पूछ बैठे तो उसका मुंह बंद करने के लिए अपनी वंशावली में असाधारण क्षमता का बखान व विश्वास काफी है। अपने आपको बचाने के लिए अपवाद हो सकने का सिद्धांत तैयार–बर–तैयार खड़ा है। यह तो हो गई परिवारवाद के प्रतिबंध से बच निकलने की बात। जहां तक जनता की सेवा से नेतागिरी करने का संबंध है, जनाब, आजकल वे सेवा नहीं, शासन करते हैं। यहां जन–कल्याणकारी जन–अनुकम्पा बांटी जाती है। न्यायपालिका देश को रियायतों भरी रेवडियां न बांटने की बात कहती है। रेवडियों पर अब जन–कल्याण का मुलम्मा लगा दिया गया। इसलिए आम के आम और गुठलियों के दाम हो जाते हैं। गुठलियां अवश्य बांटो, लेकिन अपना पराया देख कर। जो अपने हैं, उनका अंधा–काना भी कबूल और दृष्टिवान अगर कोई है, और अपना नहीं, तो उसकी पहचान नहीं करनी है।

वैसे इस देश में नेतागण चाहे देश के लोगों के हमदर्द, हमराज और मेहरबान कहलाते हैं, लेकिन केवल चुनाव के दिनों में। तब उन्हें वोटरों की घिसी हुई चौखट की पहचान भी भलीभांति हो जाती है। अपनी जाति अपने धर्म के लोग ही उपकार योग्य हैं। पचहत्तर वर्ष से धर्मनिरपेक्ष घोषित देश की यही प्राथमिकता बन गई है। उन्हीं की दहलीज पहचानो और उनके गलत कामों को सही करवा देने का वायदा करो, वोट तुम्हें गठरों में पड़ जाएंगे। जीत गए तो चुनाव करवाने वाली मशीनों का जय–जयकार, हार गए तो इन मशीनों में दोष ही दोष। 'चुनाव मशीन से नहीं, बैलेट से करवाओ' का नारा उठाओ। यह जीतना भी एक भ्रम से पैदा होता है। लोगों में अपने आप को उनका अनन्य सेवक होने का भ्रम पैदा करो, या उनके गलत काम सही करवाने वाला। जितना अधिक गलत लोगों का समर्थन बटोर सको, उतना ही अपनी विजय निश्चित जानो। जनता के लिए अपना सब कुछ लुटा सकने की भावना रखने वाले तो अपनी जमानत जब्त करवाते नजर आते हैं। अपनी लीपापोती में माहिर, हर दिन नई क्रांति या नया अभियान शुरू कर सकने वाला राजनीति में लंबी पारी और जनता के पहाड़ पर अपनी पक्की कुर्सी जमाता नजर आता है। बन्धु, यह तो पूरे का पूरा कुर्सी का खेल है। इसके लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अभियान शुरू करने की घोषणा तुम्हारा नित्य कर्म होना चाहिए। इससे निबटना तुम्हारी दक्षता। ऐ बयान धर्मी नेताओं, यह न देखना कि तुम्हारे पिछले घोषित क्रांति अभियान का क्या हश्र हुआ? लगता है इसके तो मील पत्थर भी उठा कर लोग ले गए। हां तुम्हारी नई क्रांति की घोषणा से दिग–दिगन्त अवश्य गूंजते रहे हैं। जैसे नया कोट पहनने पर लोग पुराने कोट को भूल जाते हैं, उसी तरह क्रांति का नया नामकरण होते ही लोग पुरानी उद्घोषणा भूल जाते हैं, क्योंकि पौन सदी से इस नित्य के क्रांति घोषक युग में लोग तो वहां के वहां ही खड़े हैं। क्रांति घोषणाएं होती हैं, और उनके कान के पास से सर्रा कर निकल जाती हैं। यहां बासी कढ़ी में कभी उबाल नहीं आता और न ही कभी आएगा।

वैचारिक जनादेश भी

बंगाल और तमिलनाडु के जनादेश 'मील–पत्थर' हैं। बंगाल जीत कर आरएसएस का चिर–संचित एजेंडा भी पूरा हो गया है, तो तमिलों ने 64 साल पुरानी द्रविड़ राजनीति को खारिज कर नई विचारधारा, नए एजेंडे को चुना है। आरएसएस का पुराना एजेंडा था कि जम्मू–कश्मीर, असम, पूर्वोत्तर और बंगाल को जीत कर राष्ट्रवाद की सत्ता स्थापित करनी है। 'जनसंघ' की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू–कश्मीर पर फोकस किया और 'एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शहादत भी दी। बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है। दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं। जम्मू–कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही 'प्रशासनिक प्रमुख' होते हैं। मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह 'प्रतीकात्मक' हैं। बहरहाल अब देश के 'अंग, बंग, कलिंग' पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है। भाजपा–एनडीए देश के 21–22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू–भाग पर काबिज हैं। यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है। अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेडना, देश के नए परिसीमन और अंततरू नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष हैं। यकीनन वे राजनीतिक चुनौतियां भी हैं। तमिलनाडु का जनादेश भी वैचारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। 1960 के दशक में वहां द्रविड़ राजनीति का आंदोलन ऐसा खड़ा किया गया कि 1967 के बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में कभी लौट ही नहीं पाई। पेरियार (ईवी रामासामी नायकर) दक्षिण भारत के एक महान समाज सुधारक, तर्कवादी, नास्तिक, द्रविड़ आंदोलन के जनक थे। उन्होंने तमिलनाडु में जाति–व्यवस्था, ब्राह्मणवाद, अंधविश्वास और महिला उत्पीडन के खिलाफ 'आत्म–सम्मान आंदोलन' चलाया। उनके सामाजिक न्याय योगदान के कारण उन्हें 'पेरियार' (महान व्यक्ति) कहा जाता है। द्रविड़ राजनीति का विभाजन हुआ और द्रमुक, अन्नाद्रमुक नामक राजनीतिक दल स्थापित हुए, लेकिन उनकी बुनियादी सोच एक ही थी। उन्हें वैकल्पिक तौर पर जनादेश भी मिलते रहे। मौजूदा संदर्भों तक द्रविड़ राजनीति देश में उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदी–विरोधी, सनातन–विरोधी की पर्याय ही बनी रही। निवर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदय स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना 'मच्छर, मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से की और उनके समूल नाश के आह्वान किए।

सामरिक तैयारी को देनी होगी और धार

भारत की पाकिस्तान नीति में आपरेशन सिंदूर एक निर्णायक पड़ाव के रूप में सामने आया था। एक सीमित अवधि में चले इस सैन्य अभियान के परिणाम बहुत व्यापक निहितार्थों वाले रहे। पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के जवाब में इस अभियान के दौरान पाकिस्तान के सुदूरवर्ती स्थलों पर संचालित आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त करने का काम किया गया। आतंकी ढांचे पर नई दिल्ली की यह प्रतिक्रिया न तो नितांत भावनात्मक रही और न ही विशुद्ध प्रतीकात्मक। यह एक नपी–तुली सुनियोजित सामरिक कार्रवाई थी, जिसने प्रतिरोध के नए पैमाने को परिभाषित करने का काम किया। भारत की ओर से ऐसा करारा जवाब दिया गया और ऐसे–ऐसे पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जिनके बारे में पाकिस्तान ने शायद सोचा भी नहीं होगा। पाकिस्तान की मनुहार के बाद भारत ने चार दिन बाद भले ही संघर्ष विराम पर सहमति जताई हो, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि अभियान केवल थमा है, समाप्त नहीं हुआ। आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने न केवल अपनी मारक क्षमताओं का प्रदर्शन किया, बल्कि वह दृढ़ता भी दिखाई कि उस पर हुए हमलों का किसी भी कीमत पर ऐसा जवाब दिया जाएगा, जिसे दुश्मन लंबे अर्से तक याद रखे। राजनीतिक नेतृत्व की स्पष्टता के साथ सैन्य बलों ने अपने शौर्य का अप्रतिम परिचय दिया।

हर सफलता अपने साथ कुछ सबक लेकर आती है और इस पैमाने पर आपरेशन सिंदूर भी अपवाद नहीं रहा। इसमें पाकिस्तान की परमाणु हेकड़ी की हवा पूरी तरह निकल गई। हालांकि तनाव भड़कने से जुड़े पहलू अभी भी कायम हैं, लेकिन भारत के स्पष्टता भरे रुख ने एक रेखा अवश्य खींच दी है। आपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के बीच अद्भुत समन्वय का साक्षी भी बना। विशेष रूप से अरब सागर में नौसेना की तत्परता से तैनाती से जुड़ा पहलू बहुत सराहनीय रहा। इसके बावजूद यह भी स्वीकार करना होगा कि तीनों सेनाओं के बीच सामंजस्य को बेहतर बनाने की दिशा में अभी और प्रयास करने होंगे। खासतौर से रीयल टाइम में एकीकृत परिचालन को लेकर।

आपरेशन सिंदूर ने लक्ष्य को चिह्नित कर सटीक प्रहार की क्षमताओं के साथ दूर से ही दुश्मन को सबक सिखाने में सुरक्षा बलों की भूमिका को और पुख्ता किया। मिसाइल, ड्रोन और बियोंड–विजुअल रेंज वाले संघर्ष ने भारत के जोखिम घटाते हुए हमलों के अधिकतम प्रभाव को सुनिश्चित किया। हालांकि इस दौरान हवाई रक्षा प्रतिरोध, ड्रोन रोधी क्षमताओं, खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही क्षमताओं के अलावा संचार संबंधी लचीलेपन के स्तर पर मौजूद कुछ कमजोरियां भी उजागर हुईं। नीति–नियंताओं के लिए इसका स्पष्ट संदेश है कि प्रणालीगत पूर्ण एकीकरण के अभाव में केवल अपनी सुविधा के साथ विशिष्ट तकनीकों को अपनाने की अपनी सीमाएं भी होती हैं। वैसे तो इस सैन्य संघर्ष में भारत ने निर्णायक प्रभुत्व के साथ सफलता हासिल की, लेकिन शुरुआती स्तर पर लगे कुछ झटकों ने सैन्य क्षमताओं में विद्यमान कुछ असंतुलन की ओर भी संकेत किया। आवश्यक स्क्वाड्रन क्षमताओं का अभाव, लंबी दूरी तक प्रहार करने वाली प्रणालियों की सीमाएं और इलेक्ट्रानिक युद्ध के मोर्चे पर जो कमजोरियां दिखीं, उन्हें तत्काल प्रभाव से दूर कर स्वयं को सशक्त करना होगा। आपरेशन सिंदूर के साथ ही भारत ने आतंकवाद से निपटने को लेकर अपना दृष्टिकोण और स्पष्ट किया। भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि आतंकवादी तत्वों और उन्हें संरक्षण देने वाले देशों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा और उन्हें इसकी कीमत भी चुकानी होगी। इस अभियान से संबंधित तकनीकी आयाम भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इस क्रम में ड्रोन, लायटरिंग म्यूनिशंस यानी घातक ड्रोन और अत्याधुनिक हवाई रक्षा कवच का व्यापक उपयोग न केवल भारत के अपने अनुभवों पर आधारित रहा, बल्कि उसने समकालीन वैश्विक संघर्षों के रुझानों से लिए गए।

गोरखपुर में जनगणना स्वगणना के दौरान जटिल सवालों से नागरिक उलझे

गोरखपुर,संवाददाता। महानगर के तारामंडल क्षेत्र के एक व्यापारी ने उत्साहित होकर स्वगणना के लिए जनगणना पोर्टल खोला। सवालों के जवाब देना शुरू ही किया था कि अटक गए। घर की फर्श की मुख्य सामग्री (टाइल्स, सीमेंट, लकड़ी आदि) से जुड़े सवाल का जवाब खोजने के लिए दिमाग पर जोर डाला तो पाया कि आगे के दो कमरों, किचन और टायलेट में टाइल्स और बाकी में साधारण फर्श है। समझ नहीं पाए कि जानकारी क्या दर्ज करें। गलत जानकारी न दर्ज हो इसलिए सही जानकारी प्राप्त करने या फिर प्रगणक आने पर ही जानकारी दर्ज करने की मंशा के साथ लैपटाप बंद कर दिया। इसी तरह शिक्षा विभाग में तैनात एमएमयूटी क्षेत्र की एक कालोनी के कर्मचारी जब घर में एलपीजी है पीएनजी या सीएनजी से जुड़े सवाल पर पहुंचे तो उलझ गए। उनके घर में पीएनजी और एलपीजी दोनों का कनेक्शन है। रसोई गैस का संकट गहराने के समय उन्हें जानकारी हुई थी कि पीएनजी वाले एलपीजी के लिए नहीं बुकिंग कर सकते। यह सोचकर बीच में ही स्वगणना की प्रक्रिया बंद कर दी। यह तो बानगी है। जनगणना के सवालों में उलझकर कई लोग स्वगणना नहीं कर

सकें। वहीं पहले ही दिन 1300 से अधिक लोग स्वगणना करने में सफल रहे। जनगणना–2027 के तहत स्वगणना का शुभारंभ हो गया। जनगणना के नोडल अधिकारी व एडीएम (फाइनेंस) विनीत सिंह के अनुसार पहले दिन गोरखपुर से 1319 से अधिक लोगों ने जनगणना पोर्टल पर आनलाइन खुद अपने घर व परिवार की जानकारी दर्ज की। इनमें राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं।

स्वगणना को लेकर मंडल में सबसे अधिक गोरखपुर के लोगों ने ही जागरूकता दिखाई है।शासन स्तर से शाम पांच बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक देवरिया में 700, महराजगंज में 600 और कुशीनगर से सबसे कम 340 लोगों ने स्वगणना की। स्वगणना में प्रदेश का सोनभद्र जिला सबसे आगे रहा जहां, 17 हजार लोगों ने स्वगणना की। 21 मई तक 15 दिनों में मोबाइल या लैपटाप से जनगणना पोर्टल`म.बमदेन.हवअ.पद पर लागिन कर जिले का कोई भी व्यक्ति खुद अपने घर व परिवार की जानकारी दर्ज कर सकता है। इसके बाद 22 मई से 20 जून तक प्रगणक घर–घर पहुंचकर मकानों की गिनती, सुविधाओं का सर्वे और आनलाइन भरी गई जानकारी का सत्यापन करेंगे।

प्रगणक हर घर पहुंचकर मकान की स्थिति, दीवार–छत–फर्श, कमरों की संख्या, पानी, शौचालय, रसोई, एलपीजी, बिजली, मोबाइल, इंटरनेट, टीवी, कंप्यूटर, साइकिल, बाइक या कार जैसी 33 बिंदुओं पर जानकारी जुटाएंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि यदि किसी ने 7 से 21 मई के बीच खुद आनलाइन फार्म भरा है तो उसे प्रगणक को सिर्फ अपनी 12 अंकों की एन्यूमनरेशन आइडेंटिटी (एसई आइडी) बतानी होगी। इससे प्रगणक के एप पर पूरी जानकारी डाउनलोड हो जाएगी और उसे सिर्फ पुष्टि करनी होगी। इससे संबंधित व्यक्ति और प्रगणक दोनों का समय बचेगा। उन्होंने बताया कि किन्हीं वजहों से यदि कोई स्वगणना नहीं कर पाता है तो उसे परेशान होने की जरूरत नहीं है। स्वगणना वैकल्पिक है, लेकिन प्रगणक हर हाल में घर पहुंचेंगे, जो जरूरी जानकारी जुटाएंगे। यदि मोबाइल, लैपटाप या इंटरनेट नहीं है तो जनसेवा केंद्र से भी स्वगणना के सवालों के जवाब दिए जा सकते हैं।

आमजन को स्व–गणना के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के लिए गुरुवार से 21 मई तक जिले में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत अलग–अलग दिन विभिन्न दिवस और कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को स्व–गणना का महत्व बताया जाएगा। साथ ही सभी संबंधित विभागों के कर्मचारियों और कार्यक्रमों से जुड़े लोगों से भी अनिवार्य रूप से स्व–गणना कराई जाएगी। इसी क्रम में राजस्व एवं प्रशासन दिवस का आयोजन किया गया जिसमें जनप्रतिनिधि के अलावा राजस्व एवं प्रशासन के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारियों ने स्वगणना की। इसी तरह आठ मई को स्थानीय शासन दिवस, नौ मई को युवा और खेल दिवस, 11 को न्यायिक दिवस, 12 को वर्दीधारी बल दिवस का आयोजन होगा, जिनसे जुड़े सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारियों मौजूद रहेंगे और उनकी स्वगणना भी कराई जाएगी।

प्राइवेट कर्मी ने फंदे से लटककर दी जान

15 वर्षों से पत्नी-बच्चे थे दूर- इस वजह से रिश्ते में पड़ी थी दरार

गोरखपुर,संवाददाता। परिजनों ने बताया कि पति–पत्नी के बीच मनमुटाव के चलते उनकी पत्नी अर्चना गौतम पिछले करीब 15 वर्षों से बच्चों के साथ देवरिया के साकेत नगर स्थित मायके में रहती हैं। अजय अपने पिता रामलाल और छोटे भाई संजय कुमार के साथ घर पर रहते थे। गुलरिहा थाना क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज नहर रोड स्थित लेन नंबर दो में बृहस्पतिवार सुबह 53 वर्षीय अधेड़ ने कमरे में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी उस समय हुई जब सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, शिवपुर सहबाजगंज निवासी अजय कुमार गौतम (53) रेलवे यांत्रिक कारखाना में प्राइवेट कर्मचारी थे। परिवार में उनकी तीन बेटियां और एक बेटा हैं। परिजनों ने बताया कि पति–पत्नी के बीच मनमुटाव के चलते उनकी पत्नी अर्चना गौतम पिछले करीब 15 वर्षों से बच्चों के साथ देवरिया के साकेत नगर स्थित मायके में रहती हैं।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नौ पर लोकल ब्रांड वाली पानी की 1800 बोतलें जब्त

संवाददाता, गोरखपुर। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर नौ पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कैटरिंग) प्रशांत मिश्रा की टीम ने अनधिकृत रूप से खड़े पीकअप और ठेलों पर रखी गई लोकल ब्रांड वाली पानी की 1800 बोतलें जब्त कीं। पानी की बोतलें ट्रेनों में चढ़ाने के लिए ठेलों से उतारी जा रही थीं। इसी दौरान टीम ने पकड़ लिया। टीम ने मौके पर ही जब्त पानी की बोतलों व संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति कर दी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार के अनुसार रेल प्रशासन यात्रियों को स्वच्छ खाद्य सामग्री तथा स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयत्नशील है। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक प्रकाश चन्द्र जायसवाल के मार्गदर्शन और मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवाएं) जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में अनधिकृत वेंडरों, खाद्य एवं पेय पदार्थ के खिलाफ मुख्यालय गोरखपुर समेत लखनऊ, वाराणसी और इज्जतनगर मंडल में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लगातार कार्रवाइयां भी की जा रही हैं। गोरखपुर जंक्शन पर ट्रेनों से जब्त की गईं लोकल ब्रांड वाली 14,701 पानी की बोतलों से रेलवे ने 1,02942 रुपये कमा लिए हैं। इसके बाद भी रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में पानी का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल, गर्मी शुरू होते ही ट्रेनों में पानी की बिक्री बढ़ गई है। इसके साथ ही पानी का अवैध कारोबार भी तेज हो गया है। वेंडर ट्रेनों में धड़ल्ले से लोकल ब्रांड वाली पानी की बोतलें बेच रहे हैं। वेंडर अधिक कमाई के चक्कर में 14 रुपये वाले रेल नीरश की जगह 20 रुपये में लोकल ब्रांड पानी की बोतलें बेच रहे हैं। यह तब है जब गोरखपुर और यहां से बनकर चलने वाली तथा गोरखपुर रूट पर रेल नीरश की बिक्री अनिवार्य है।

रेलवे स्टेशन पर फैला है करोड़ों का पानी का अवैध कारोबार

पानी के करोड़ों का अवैध कारोबार स्टेशन पर फैला है। कारोबारी के रैकेट में अवैध वेंडर ही नहीं, पेंट्रीकार के मैनेजर, आइआरसीटीसी के वेंडर, सुरक्षाकर्मी और रेलकर्मी भी शामिल हैं, जिनके सहयोग से ट्रेनों में अनधिकृत रूप से लोकल ब्रांड वाली पानी की बोतलें बिक रही हैं। अवैध कारोबारी लोकल ब्रांड की पानी की बोतलें एजेंसी से पीकअप व ठेले पर रखकर उत्तरी द्वार होते हुए प्लेटफार्म नंबर नौ पर पहुंचा देते हैं। कारोबार में शामिल अवैध वेंडर उत्तरी द्वार पर खड़े ठेलों पर रखी गई पानी की बोतलें अन्य सभी प्लेटफार्मों पर पहुंचा देते हैं। गोरखपुर से बनकर चलने वाली गोरखधाम समेत बिहार से पहुंचने वाली ट्रेनों में अवैध वेंडर, आइआरसीटीसी के वेंडरों के सहयोग से ट्रेनों के विभिन्न कोचों में पानी की बोतलें रख देते हैं। इनकी निगरानी में लगे संबंधित अधिकारी, सुपरवाजर्स, सुरक्षा बल व रेलकर्मी आंख मूंदे रहते हैं।

घर से दवा कराने निकला...ट्रक से हुए हादसे में मां की मौत- बेटा घायल, बाइक से इलाज कराने के जा रहा था

महाराजगंज,एजेंसी। फरेंदा थाना क्षेत्र के सिधवारी के कल्याणपुरम वार्ड नंबर 2 निवासी संतोष यादव अपनी मां विमला देवी (50) को बाइक पर बैठाकर दवा कराने जा रहे थे। अभी वह आंबेडकर तिराहे के करीब ही पहुंचे थे कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गए। कस्बे के मुख्य मार्ग पर बृहस्पतिवार की सुबह तेज रफ्तार से जा रहे ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार मां की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, बेटा घायल हो गया। घटना के बाद महिला का क्षत–विक्षत शव को देखकर स्थानीय लोगों के रौंगटे खड़े हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, फरेंदा थाना क्षेत्र के सिधवारी के कल्याणपुरम वार्ड नंबर 2 निवासी संतोष यादव अपनी मां विमला देवी (50) को बाइक पर बैठाकर दवा कराने जा रहे थे। अभी वह आंबेडकर तिराहे के करीब ही पहुंचे थे कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गए। घटना में बाइक सवार मां–बेटे सड़क पर जा गिरे। उसी दौरान ट्रक विमला देवी को रौंदते हुए भाग निकला। हादसे के बाद विमला देवी का शव क्षत–विक्षत हो गया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना की सूचना परिजनों को मिली तो उन पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र राय ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। ट्रक भी शीघ्र पुलिस के कब्जे में होगा।

बेटे के आंखों के सामने ही मां के बिखर गए शव

सिधवारी निवासी संतोष अपनी मां को बाइक पर बैठाकर दवा कराने के लिए निकला था। उसको नहीं पता था कि मां काल की शिकार हो जाएगी। तेज रफ्तार से पीछे से आ रही ट्रक ने बाइक में ठोकर मा दिया। उसके बाद मां–बेटे सड़क पर गिर गए। उसी दौरान मां को आंखो के सामने ही ट्रक ने कुचल दिया और शव पूरे सड़क पर बिखर गया। बिखरे हुए शव को देखकर बेटा संतोष बेसुध हो गया। वह मां के शव को देखकर दहाड़े मारकर रोने लगा। जिसे देख मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो उठीं। मां के बिखरे शव को देखकर खुद का चोट भी याद न रहा। लोगों की भीड़ एकाएक जुट गई। सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

रियल एस्टेट कारोबारी से 24 करोड़ की ठगी

एक रुपये भेज लाखों का दिखाते ट्रांजेक्शन

गोरखपुर,संवाददाता। आरोप है कि वर्ष 2023 में शुरू हुई ठगी में आरोपी गूगल–पे, फोन–पे और बैंक ट्रांजेक्शन के फर्जी स्क्रीनशॉट भेजकर कंपनी को गुमराह करते रहे। वित्तीय वर्ष के ऑडिट में जब खातों का मिलान हुआ तो फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ। रियल एस्टेट कारोबारी और शेयर मार्केट ब्रोकर विश्वजीत श्रीवास्तव की कंपनी से फर्जी यूपीआई स्क्रीनशॉट के जरिये करीब 24 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर गुलरिहा पुलिस ने 21 नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी बिहार, झारखंड और कुशीनगर के रहने वाले हैं। आरोप है कि वर्ष 2023 में शुरू हुई ठगी में आरोपी गूगल–पे, फोन–पे और बैंक ट्रांजेक्शन के फर्जी स्क्रीनशॉट भेजकर कंपनी को गुमराह करते रहे। वित्तीय वर्ष के ऑडिट में जब खातों का मिलान हुआ तो फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ। विश्वजीत श्रीवास्तव के मुताबिक, वर्ष 2023 में उनकी पहचान कुशीनगर निवासी सोनू जायसवाल से हुई थी। बाद में सोनू ने अपने रिश्तेदार शिवम जायसवाल से मुलाकात कराई। शिवम ने खुद को दिल्ली में कमीशन आधारित मार्केटिंग का अनुभवी कारोबारी बताया और दोनों कंपनी में एजेंट के रूप में काम करने लगे।

आरोप है कि दोनों ने मिलकर अलग–अलग लोगों से निवेश कराया और कंपनी के अकाउंटेंट हरिकेश प्रसाद को फर्जी ट्रांजेक्शन स्क्रीनशॉट भेजे। इन्हीं स्क्रीनशॉट के आधार पर रकम कंपनी के खाते में जमा मान ली जाती थी, जबकि वास्तविक भुगतान नहीं होता था। जांच में सामने आया कि आरोपी मोबाइल और लैपटॉप की मदद से फर्जी भुगतान रसीद तैयार करते थे। एक लाख रुपये भेजने के नाम पर सिर्फ एक रुपये खाते में ट्रांसफर किया जाता था। पीड़ित के अनुसार, करीब तीन महीने तक लगातार इसी तरीके से ठगी की गई। पीड़ित का कहना है कि ऑडिट में गड़बड़ी मिलने के बाद आरोपियों से पूछताछ की गई। पहले उन्होंने आरोपों से इन्कार किया लेकिन दस्तावेज दिखाने पर रकम लौटाने का भरोसा दिया। इसके बावजूद रुपये वापस नहीं किए। स्थानीय पुलिस और एसएसपी से शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली।

दो मौतों पर आकर खत्म हुई 20 महीने की अनबन

सिलिंडर की पिन दबाकर निकाली गैस

माचिस की तिल्ली जलाकर लगाई आग

कैराना (शामली),संवाददाता। मायके न भेजने से क्षुब्ध अनीता ने खुद को आग लगाई, जिससे वह गंभीर झुलसी और धुएं से उसकी दो बेटियों की दम घुटने से मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के शामली के मोहल्ला आल दरमियान में मायके न भेजने से क्षुब्ध अनीता (35) ने बृहस्पतिवार सुबह खुद को आग लगा ली। वह गंभीर रूप से झुलस गई। कमरे में धुएं से उसकी बेटियां वंदना (6) और जसप्रीत (1.5) की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने आग बुझाई। अनीता की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पति-पत्नी के झगड़े के बाद महिला ने यह कदम उठाया। मोहल्ला आल दरमियान निवासी जसविंदर उर्फ जस्सी पानीपत में सब्जी और फल बेचने का काम करता है। बृहस्पतिवार सुबह चार बजे जसविंदर पानीपत चला गया। घर पर उसकी मां ईश्वरी, पत्नी अनीता, बेटा आदी और बेटियां वंदना व जसप्रीत थी। सुबह बेटा स्कूल चला गया और मां ईश्वरी पड़ोस में चली गई। सुबह करीब 11 बजे मोहल्लेवालों ने मकान के अंदर से धुआं निकलता देखा तो शोर मचाया व पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से कमरे का गेट तोड़ा और आग पर पानी डालकर बुझाया।

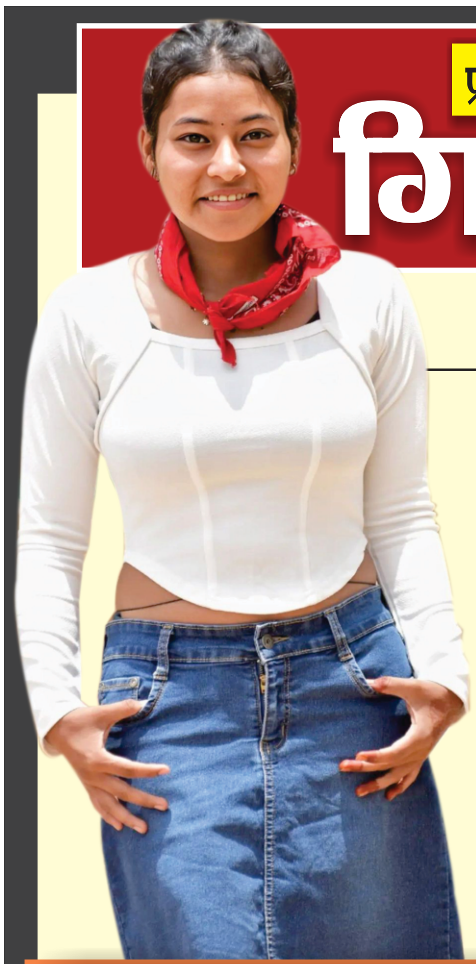

प्रदेश में औसत से 13 डिग्री तक

गिरा पारा

> यूपी में मौसम ने एक बार फिर करवट ले सकता है। इधर पूरे प्रदेश में हुई बारिश से औसत तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

पश्चिमी विक्षोभ, अलर्ट जारी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में राजधानी लखनऊ समेत तराई, पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 27 मिमी बारिश जालौन में हुई, जबकि महराजगंज में 23 मिमी और झांसी में 20 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हुई। बारिश और ठंडी हवाओं के असर से तराई व पश्चिमी जिलों में मौसम में ठंडक बढ़ गई। कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 10 से 13 डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया। हरदोई, इटावा, बरेली और नजीबाबाद में तापमान सामान्य से करीब 13 डिग्री नीचे पहुंच गया। नजीबाबाद में 25 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे कम अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ गया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को आंधी या बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। अगले दो दिनों में बूंदाबांदी कम होने और तापमान बढ़ने के संकेत हैं। हालांकि, सोमवार से पश्चिमी यूपी में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के असर से हल्की बूंदाबांदी फिर शुरू हो सकती है।

> राजधानी में मौसम का मिजाज दिनभर बदलता रहा। तड़के गरज–चमक के साथ तेज बारिश हुई तो दोपहर और शाम में रुक–रुक कर बूंदाबांदी हुई। इससे पहले कभी धूप तो कभी बादल छाए रहने से तापमान में उतार–चढ़ाव दर्ज किया गया।

मानसून से पहले बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज

आगामी मानसून को देखते हुए प्रदेश सरकार ने बाढ़ से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में राहत आयुक्त डॉ. ऋषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में बाढ़ अनुश्रवण समिति की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 44 जिलों, 118 तहसीलों, 2500 गांवों और 5600 मजरों को बाढ़ के लिहाज से अति संवेदनशील चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों की सूची संबंधित विभागों और राहत टीमों को भेजी जा रही है। बाढ़ और नदियों के जलस्तर की जानकारी देने के लिए एक विशेष वीडियो भी तैयार किया गया है।

> बारिश और ठंडी हवाओं के असर से अधिकतम तापमान में 3.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई और पारा 30 डिग्री से नीचे पहुंच गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक भी हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। इसके बाद तापमान में धीरे–धीरे बढ़ोतरी होगी और हवा में नमी बढ़ने से उमस भरी गर्मी महसूस होगी। पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने लगेगा। बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 29.5 और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कानपुर 'महा–घोटाला'– महफूज ने 400 कारोबारियों के 3200 करोड़ ट्रांसफर कराए

कानपुर,संवाददाता। पुलिस ने 3200 करोड़ रुपये के अवैध वित्तीय लेनदेन के मास्टरमाइंड महफूज अली उर्फ पप्पू छुरी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने फर्जी बैंक खातों और हवाला के जरिए 400 से अधिक कारोबारियों की अवैध रकम को ठिकाने लगाने का बड़ा सिंडिकेट चलाया था। कानपुर में बैंक खातों में करीब 3200 करोड़ के अवैध लेनदेन के मामले में फरार चल रहे महफूज अली उर्फ पप्पू छुरी को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। वह दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल में छिपता फिर रहा था।

पुलिस ने शहर आते ही उसे दबोच लिया। उसने अपने गिरोह संग मिलकर 400 से अधिक कारोबारियों, टेनरी संचालकों और बड़ी फर्मों की वैध और अवैध रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कराई। फिर उसे कैश के रूप में निकाला लिया। यह कारोबारी दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात के हैं। इस खेल में बैंक के अधिकारियों व स्टाफ की भी संलिप्तता मिली है।श्यामनगर क्षेत्र में 16 फरवरी की रात क्षेत्र के मो. वासिद और अरशद से मारपीट कर लूट हुई थी। बाइक सवार बदमाश दोनों से करीब 25 लाख रुपये लेकर भाग निकले।

युवकों ने पहले लूट की सूचना दी लेकिन फिर मुकर गए। पुलिस ने नजदीक लगे सीसीटीवी फुटेज देखे, तो लूट की पुष्टि हुई। आठ दिन बाद लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस की जांच में सामने आया कि मो. वासिद और अरशद ने जाजमऊ के अहफूज अली उर्फ पप्पू छुरी के बैंक खाते से 3.20 करोड़ रुपये निकाले थे।

12 बैंकों में 68 खाते मिले

उसी में से 25 लाख रुपये लेकर महफूज को देने जा रहे थे। रास्ते में उनके साथ लूट हुई थी। पुलिस ने वारदात में शामिल बेकनगंज के मो. यासीन व मुजाहिद, मूलगंज के

अब्दुल रहमान, चमनगंज के लारेब सिद्दीकी, बेकनगंज के सुभान खान व मो. जीशान को गिरफ्तार कर लूट का खुलासा कर दिया। वहीं, महफूज अली व उसके रिश्तेदारों के 12 बैंकों में 68 खाते मिले। इनमें लगभग ढाई साल में 1600 करोड़ का ट्रांजेक्शन मिला। उसके गुर्गों की गिरफ्तारी के बाद महफूज अली फरार हो गया।

3200 करोड़ रुपये के लेनदेन की जानकारी सामने आई

पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम था। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि वह मोबाइल का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं कर रहा था।

केवल व्हाट्सएप कॉलिंग कर रहा था। पुलिस ने तकनीक और सर्विलांस का सहारा लेकर उसको दबोचा। आयकर विभाग की जांच में उसके व रिश्तेदारों के खाते में 3200 करोड़ रुपये के लेनदेन की जानकारी सामने आई है। यह रकम टेनरी व स्लॉटर हाउस संचालकों, स्क्रैप कारोबारियों की है। यह लेनदेन लगभग 400 कारोबारियों और फर्मों के खातों से दूसरे बैंक अकाउंट में हुआ है। महफूज को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

दिल्ली, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश में फैला नेटवर्क

महफूज अली उर्फ पप्पू छुरी और उसके साथियों का नेटवर्क दिल्ली, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश समेत अन्य शहरों में फैला हुआ है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि आरोपियों के तार कई शहरों से जुड़े हुए हैं। महफूज मूलरूप से गाजीपुर का है। उसके पिता मकबूल अहमद चमड़ा फैक्ट्री में कार्य करते थे। इस वजह से वह भी कानपुर आ गया। पहले उसने जाजमऊ में परचून की दुकान खोली।

अवैध तरीके से रकम का लेनदेन करने लगा

फिर मोबाइल की दुकान चलाई। इसके बाद कोलकाता चला गया। वहां शेविंग ब्लेड का कारोबार किया। इस वजह से उसका नाम पप्पू छुरी पड़ा। कोलकाता से आने के बाद टेनरी में कार्य करने लगा। यहां कार्य करते हुए फर्जी खाते खुलवाकर उसमें अवैध तरीके से रकम का लेनदेन करने लगा। उसके कुछ रिश्तेदार बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में रहते हैं। वहां घूमने के लिए पहले भी जाता रहा है। इस दौरान उसका संपर्क म्यूल अकाउंट खुलवाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लेने वालों से हुआ।

नादिया जिले का नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

महफूज के पश्चिम बंगाल में हुए चुनाव तक वहीं रहने की जानकारी हुई है। वह नादिया जिले में रुका था। वहां उसकी साली रहती है। पुलिस महफूज का नादिया जिले में नेटवर्क खंगाल रही है। उसके रिश्तेदारों के बारे में भी पता कराया जा रहा है। आखिर इतने दिनों तक वह क्या कर रहा था इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपियों का संपर्क हवाला कारोबारियों से होने का शक है। इतने अधिक रुपयों का लेनदेन इसी कारोबार में होता है।

दो नंबर की रकम को एक नंबर में परिवर्तित किया जाता है। पंजाब, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश की पुलिस से जल्द ही संपर्क किया जाएगा।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

कहा– वकीलों के कब्जे हटाने के लिए दें पर्याप्त पुलिस फोर्स

लखनऊ,संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कैसरबाग स्थित अदालत परिसर के आसपास वकीलों और दुकानों के अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन को पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। अदालत ने नगर निगम से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि अवैध कब्जों से आम जनता और यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कैसरबाग स्थित जनपद न्यायालय के आसपास वकीलों की ओर से किए गए कब्जों पर सख्त रुख जारी रखा है। कोर्ट ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि इन कब्जों को हटाने के लिए नगर निगम को पर्याप्त पुलिस फोर्स उपलब्ध कराए। मामले में 25 मई को होने वाली अगली सुनवाई पर अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट भी पेश करने के लिए कहा है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश अनुराधा सिंह और दो अन्य की याचिका पर दिया। मामले में नगर निगम की ओर से दाखिल रिपोर्ट के अनुसार संबंधित क्षेत्र में 72 अतिक्रमण पाए गए हैं। इनमें ज्यादातर अधिवक्ताओं के चौंबर और अवैध दुकानें हैं। इससे पहले कोर्ट ने नगर निगम को आदेश दिया था कि इन कब्जों को हटाने के लिए जो भी आवश्यक कदम उठाए गए हैं, उन्हें तार्किक अंत तक पहुंचाया जाए। यह भी कहा था कि इसके लिए पुलिस बल की जरूरत हो तो नगर निगम को तत्काल उपलब्ध कराया जाए।

पुलिस बल उपलब्ध नहीं कराया जा सका

बुधवार को हुई सुनवाई में राज्य सरकार के मुख्य स्थायी अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने डीसीपी (मुख्यालय) और डीसीपी (पश्चिम) समेत लखनऊ के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी) के पत्र पेश किए। इनमें वे कारण बताए गए थे, जिनकी वजह से अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम के अफसरों को पुलिस बल उपलब्ध नहीं कराया जा सका। नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए 12 मई की नई तारीख तय करने की जानकारी कोर्ट को दी गई। इस पर अदालत ने कहा कि इन पत्रों से स्पष्ट है कि कुछ अपरिहार्य वजहों से 25 अप्रैल को पुलिस बल मुहैया नहीं कराया जा सका, लेकिन अगली तय तिथि पर अवैध निर्माण, अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम को समुचित पुलिस बल मुहैया कराया जाएगा। अदालत ने इसके लिए जरूरी कदम उठाने और कार्रवाई से अवगत कराने के लिए 15 दिन का समय दिया है।

अतिक्रमण से जनता बुरी तरह त्रस्त

मामले में अदालत ने पहले कहा था कि जनपद न्यायालय, पुराना हाईकोर्ट परिसर, कलेक्ट्रेट, राजस्व परिषद, पुराना सदर तहसील परिसर, उप–निबंधक कार्यालय, मंडलायुक्त कार्यालय, रेजिडेंसी पावर सब स्टेशन, बलरामपुर अस्पताल, कैसरबाग बस अड्डा व टेढ़ी कोठी के आसपास रहने वाले लोग वकीलों के कब्जों से बुरी तरह त्रस्त हैं। न्यायालय ने संज्ञान में लाई गई घटना का भी जिक्र किया था, जिसमें इस इलाके में अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस नहीं निकल सकी थी।

सीएम योगी बोले– योग्य की जगह घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाता है, तो पूरे सिस्टम को खोखला कर देता है

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरकारी भर्तियां अब पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित हो गई हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार और सिफारिश की राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि घूसखोर व्यवस्था को खोखला कर देते हैं। सरकार ने नौ लाख से अधिक युवाओं को निष्पक्ष तरीके से नौकरी देकर नए रोजगार रिकॉर्ड बनाए हैं। उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीक आधारित बनाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर लोकभवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मिशन रोजगार" के अंतर्गत प्रदेश सरकार लगातार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। अब तक 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। पूरी प्रक्रिया में किसी को कहीं भी सिफारिश कराने की नौबत नहीं आई।

परीक्षा के बाद भी किसी स्तर पर सिफारिश या अनैतिक साधनों का उपयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं थी। इसी साफ नीयत और स्पष्ट नीति का परिणाम है कि आज आपको नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले भर्तियां पैसों, जाति, मत, मजहब और क्षेत्र देखकर होती थीं, जिससे योग्य नौजवानों का शोषण होता था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में योग्यता ही चयन का आधार बनी है।

किसी योग्य अभ्यर्थी की जगह घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाता, तो वह अगले 30–35 वर्षों तक पूरे सिस्टम को घुन की तरह खोखला करता। इसलिए सरकार ने पहले दिन से ही भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और लीकेज की संभावनाओं को समाप्त करने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जवाबदेही, तकनीक और पारदर्शिता के कारण आज यूपी देश में सबसे अधिक नियुक्तियां देने वाला राज्य बन चुका है।

15 दिनों के अंदर चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में सरकार ने नियुक्ति पत्र वितरण के नए–नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कोई सोच भी नहीं सकता था कि यूपी के नौजवानों को निष्पक्ष, पारदर्शी व सहज प्रक्रिया से सरकारी नौकरियां मिल पाएंगी।

हमने अलग–अलग आयोगों व बोर्डों को जवाबदेही सौंपी और तकनीक का उपयोग कर हर योग्य नौजवान के साथ न्याय सुनिश्चित किया। इसी का परिणाम है कि हमने 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराए हैं। पिछले 15 दिनों के अंदर यह हमारा चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है।

यूपी को बना दिया गया था भ्रष्ट–गुंडा–अराजक प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि याद कीजिए 2017 से पहले का उत्तर प्रदेश। देश–दुनिया में लोग यूपी का नाम सुनते ही शक की निगाह से देखते थे, दस कदम पीछे हट जाते थे। उत्तर प्रदेश को भ्रष्ट, गुंडा और अराजक प्रदेश बनाकर हर यूपीवासी के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन, मुझे बेहद प्रसन्नता है कि अब आप कहीं भी जाएं, यूपी का नाम सुनते ही सामने वाले का चेहरा चमक उठता है, वह स्वागत के लिए उत्सुक दिखाई देता है। यह है परसेप्शन का बदलाव और परिणाम भी उसी के अनुरूप हैं।

प्रति व्यक्ति आय, वार्षिक बजट व अर्थव्यवस्था को तीन गुना किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय, वार्षिक बजट व समग्र अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त की है। यूपी अब रेवेन्यू सरप्लस राज्य और देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है।

यह सबसे ज्यादा नियुक्ति पत्र देने वाला, सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे बनाने वाला, किसानों को सर्वाधिक प्रोत्साहन देने वाला और समाज के हर वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने वाला प्रदेश बन गया है।

96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले एमएसएमई क्षेत्र लगभग बंद पड़ा था, कोई प्रोत्साहन नहीं था, चारों तरफ अव्यवस्था और हताशा थी। आज देश में सबसे अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) उत्तर प्रदेश में हैं। 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 3 करोड़ से अधिक लोग रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। गत वर्ष यूपी में 4000 से अधिक बड़े उद्योग आए और पिछले 9 वर्षों में बड़े उद्योगों की संख्या 14,000 से बढ़कर 32,000 से अधिक हो गई है। जिस यूपी को पहले देश के बॉटम–3 राज्यों में गिना जाता था, आज टॉप–3 राज्यों में शामिल है।

आयुष के माध्यम से लाए जा सकते हैं चमत्कार

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष हेल्थ टूरिज्म को आकर्षित करने की सबसे बड़ी क्षमता रखता है। इसके माध्यम से चमत्कार लाए जा सकते हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को गांव–गांव में और बेहतर बनाना है। उपचार की पारंपरिक विधाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना है। मेडिसिनल प्लांट्स के उत्पादन के लिए किसानों से संवाद स्थापित करना है। आज 202 प्राध्यापक, चिकित्सा अधिकारी और स्टाफ नर्स नियुक्ति पत्र प्राप्त कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि आप सब आयुष विभाग को और गति देंगे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्योग की मांग के अनुरूप स्किल्ड मैनपावर

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग बड़ा और महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। अनुकूल वातावरण व नीतियों से यूपी में लगातार बड़े निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं, इन उद्योगों को मांग के अनुरूप स्किल्ड मैनपावर उपलब्ध कराना व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा इसके अनुदेशकों की जिम्मेदारी है। व्यावसायिक शिक्षा विभाग ने टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर 150 से अधिक आईटीआई को आधुनिक बना दिया है। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, स्पेस टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग आदि क्षेत्रों में सर्टिफिकेट कोर्स और ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। हम कुशल प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन व अन्य टेक्नीशियन भी तैयार कर रहे हैं। आज नियुक्त होने वाले 272 ट्रेंड अनुदेशक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हर दिव्यांगजन में प्रतिभा, बस सही प्लेटफॉर्म चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि "दिव्यांगजन सशक्तिकरण" नाम भी प्रधानमंत्री जी ने दिया है। कोई भी व्यक्ति किसी कारण से दिव्यांगता का शिकार हो सकता है। हमारे मन में उनके प्रति संवेदना होनी चाहिए। हर दिव्यांगजन में प्रतिभा है, बस उसे सही प्लेटफॉर्म चाहिए।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। पेंशन सुविधा दी, दो दिव्यांगजन विश्वविद्यालय स्थापित किए, हर कमिश्नरी मुख्यालय पर दिव्यांगजनों के लिए विशेष केंद्र खोले गए और बंद पड़े डीआरसी (डिस्ट्रिक्ट रिहेबिलिटेशन सेंटर्स) को पुनः चालू किया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास कपिल देव अग्रवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण नरेन्द्र कुमार कश्यप, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, तीनों विभागों के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, डॉ हरिओम और रंजन कुमार समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बर्थडे पार्टी मनाने अयोध्या गए 5 दोस्तों में तीन सरयू नदी में डूबे

जन्मदिन के जश्न में पड़ा खलल

डूबने वाले तीनों युवकों की फाइल फोटो –

बस्ती,संवाददाता। बृहस्पतिवार की सुबह लगभग 5 बजे बस्ती से अयोध्या 5 युवक जन्मदिन मनने पहुंचे थे। बताया जा रहा कि सुबह 6 बजे सरयू नदी में स्नान के दौरान अचानक तेज लहर आने से 3 युवक डूब कर लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन एवं बचाव दल युवकों की तलाश में जुट गया है। साथ में मौजूद 2 युवक लकी और किशन सोनी सुरक्षित है। सभी युवक पुरानी बस्ती क्षेत्र के मंगल बाजार के रहने वाले है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

इंस्टाग्राम के जरिए युवाओं को बना रहे थे 'फुट सोल्जर'

महाराजगंज,संवाददाता। एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि कृष्णा मिश्रा के मोबाइल में ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें हैंडलर्स ने किसी वर्दीधारी व्यक्ति को गोली मारकर उसका वीडियो भेजने का टास्क दिया था। साथ ही रेकी का वीडियो भी बरामद हुआ है, जिसमें कृष्णा और उसके साथियों को हमले के निर्देश दिए जा रहे थे। जिले के रविंद्र नगर थाना क्षेत्र के बेलवा मिश्र निवासी कृष्णा मिश्रा को उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) तीन दिन पूर्व इसके घर से गिरफ्तार कर लिया। इसके साथी की गिरफ्तारी के बाद कृष्णा के घर एटीएस पहुंची थी जो पाकिस्तान से संचालित नेटवर्क के संपर्क में रहकर संवेदनशील ठिकानों और वर्दीधारी व्यक्तियों पर हमले की साजिश रच रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दानियाल अशरफ (23) निवासी बाराबंकी और कृष्णा मिश्रा (20) निवासी कुशीनगर के बेलवा मिश्र गांव के रूप में हुई है। कृष्णा की गिरफ्तारी के बाद आस–पास के लोग सन्न रह गए। साथ में रहने वाली मां को भी बेटे की करतूत के बारे में जानकारी नहीं थी।

बेटे की गिरफ्तारी के बाद नशा मुक्ति केंद्र में भेजे गए पिता छोटेलाल घर आ गए हैं। जटहा बाजार थाना क्षेत्र के हरपुर गांव निवासी छोटेलाल मिश्र चार भाई हैं। तीन भाई हरपुर गांव में ही रहते हैं, जबकि छोटेलाल करीब एक दशक पहले रविंद्र नगर थाना क्षेत्र के बेलवा मिश्र गांव में जमीन खरीदकर अपनी मकान बनवा ली। नशे के आदि थे, इनका एक बेटा कृष्ण और एक बेटी हैं, कृष्णा छोटा था, लेकिन नशा का सेवन यह भी करता था।कुछ माह पूर्व छोटेलाल को नशा मुक्ति केंद्र में परिजन पहुंचाए थे और बेटे को लेकर मां हरियाणा में रहती थी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर्स हजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के संपर्क में थे। इनके मोबाइल फोन से वीडियो कॉल, वॉइस नोट्स, व्हाट्सएप चैट और देश–विरोधी बातचीत के साक्ष्य मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया कि सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम के जरिए इन युवकों को फंसाया गया और उन्हें 'हीरो' बनाने का झांसा देकर आतंकी गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश की गई। एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि कृष्णा मिश्रा के मोबाइल में ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें हैंडलर्स ने किसी वर्दीधारी व्यक्ति को गोली मारकर उसका वीडियो भेजने का टास्क दिया था। साथ ही रेकी का वीडियो भी बरामद हुआ है, जिसमें कृष्णा और उसके साथियों को हमले के निर्देश दिए जा रहे थे।

दानियाल अशरफ ने एक अन्य राज्य के पुलिस स्टेशन की रेकी कर उसका वीडियो भी हैंडलर्स को भेजा था और हमले के लिए पैसे व हथियार की मांग की थी। एटीएस की जांच में कृष्णा की लोकेशन बेलवा मिश्र गांव में मिल रही थी। इसके पास से जांच एजेंसी ने मोबाइल, लैपटॉप के अलावा असलहा भी बरामद किया है। बरामद मोबाइल में पाकिस्तानी नंबर लगातार चौटिंग व बातचीत की जानकारी मिली है।

युवती के हाथ को मुंह में लेकर खींच ले जा रहे मगरमच्छ की आंख पर दरांती से किए कई वार

अलीगढ़,संवाददाता। मगरमच्छ ने युवती का हाथ मुंह में ले लिया और खींचकर नदी में ले जाने लगा। युवती और साथ में मौजूद चाची द्रोपा ने दरांती से मगरमच्छ की आंख पर हमला किया। ताबड़तोड़ दरांती के वार से घबड़ाकर मगरमच्छ युवती को छोड़कर भाग गया।

काली नदी के पास अपनी चाची के साथ चारा काट रही थी। काली नदी से निकल कर मगरमच्छ ने युवती के हाथ को अपने मुंह में ले लिया और नदी में खींचने लगा। युवती और वहां पर मौजूद चाची ने साहस का परिचय देते हुए दरांती से मगरमच्छ की आंख पर हमला बोल दिया। तब जाकर मगरमच्छ युवती को छोड़ भागा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अतरौली के गांव रायपुर स्टेशन के निकट काली नदी के पास मवेशियों के लिए चारा काट रही युवती सुमन निवासी मोहिउद्दीनपुर पर काली नदी से निकलकर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। मगरमच्छ ने युवती का हाथ मुंह में ले लिया और खींचकर नदी में ले जाने लगा। युवती और साथ में मौजूद चाची द्रोपा ने दरांती से मगरमच्छ की आंख पर हमला किया।

ताबड़तोड़ दरांती के वार से घबड़ाकर मगरमच्छ युवती को छोड़कर भाग गया। घायल युवती को अस्पताल लाया गया जहां से उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ अवनेंद्र यादव ने बताया कि युवती के हाथों में गंभीर चोटें आई हैं।

उसे अलीगढ़ के लिए रेफर कर दिया गया है।

गोरखपुर का टेराकोटा–दिवाली से पहले चमका कारोबार...

गोरखपुर,संवाददाता। कारीगरों के अनुसार, लगभग 30 ट्रक टेराकोटा उत्पादों की सप्लाई देश के अलग–अलग शहरों में की जानी है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित टेराकोटा शिल्पकार राजन प्रजापति ने बताया कि करीब 15 ट्रक उत्पादों के ऑर्डर हैदराबाद, अहमदाबाद, आंध्र प्रदेश, सूरत, राजस्थान, मुंबई और दिल्ली के कई शहरों से पहले ही मिल चुके हैं। एक जिला–एक उत्पाद (ओडीओपी) में शामिल गोरखनगरी का टेराकोटा कारोबार अब पूरे देश में चमकने लगा है।

हैदराबाद, अहमदाबाद, आंध्र प्रदेश, सूरत, राजस्थान, मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े शहरों से अब तक सवा दो करोड़ रुपये के टेराकोटा उत्पाद के ऑर्डर मिल चुके हैं। इससे दिवाली से पहले ही कारोबार चमकने लगा है। कारोबारी दिवाली तक करीब 10 करोड़ के व्यापार की उम्मीद जता रहे हैं। जिले के टेराकोटा कारीगरों के यहां इन दिनों जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। ओडीओपी में शामिल टेराकोटा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है, जिससे कारीगरों के चेहरे खिले हुए हैं। कारीगर अभी से दीये, सजावटी आइटम, मूर्तियां, हाथी और अन्य पारंपरिक उत्पादों को तैयार करने में जुट गए हैं।

कारीगरों के अनुसार, लगभग 30 ट्रक टेराकोटा उत्पादों की सप्लाई देश के अलग–अलग शहरों में की जानी है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित टेराकोटा शिल्पकार राजन प्रजापति ने बताया कि करीब 15 ट्रक उत्पादों के ऑर्डर हैदराबाद, अहमदाबाद, आंध्र प्रदेश, सूरत, राजस्थान, मुंबई और दिल्ली के कई शहरों से पहले ही मिल चुके हैं।

योगी का निर्देश– हर जरूरतमंद का बनवाएं आयुष्मान कार्ड, किसी को परेशान न होना पड़े

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग–अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि सरकार इलाज कराने में भरपूर मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग–अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह बुधवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा, साथ ही भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

उन्होंने कहा कि अस्पताल का इस्टीमेट मिलते ही विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को प्यार और आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दिया। इस दौरान उन्होंने एक महिला के साथ आए उसके दो बच्चों से हंसी–ठिठोली भी की और उन्हें स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया।

सीएम ने मछली वाले बयान पर ली सांसद की चुटकी

बोले– महेसरा में रवि किशन की पसंद की चीज मिलती थी

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी ने तंज कसते हुए कहा कि महेसरा में पहले जाम लगता था क्योंकि रविकिशन की पसंद की चीज (मछली) यहां मिलती थी। इन्होंने कहा था कि बंगाल जीत के बाद खूब मछली खाओ। इसी दौरान रविकिशन बोल पड़े–पंडित आदमी हूं, मैं मछली नहीं खाता। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में महेसरा में मछली मंडी के बहाने सांसद रविकिशन के बंगाल में मछली खाने वाले बयान पर चुटकी ली। सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि महेसरा में पहले जाम लगता था क्योंकि रविकिशन की पसंद की चीज (मछली) यहां मिलती थी। इन्होंने कहा था कि बंगाल जीत के बाद खूब मछली खाओ। इसी दौरान रविकिशन बोल पड़े–पंडित आदमी हूं, मैं मछली नहीं खाता। तब सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि इनके घर भीड़ लगी थी। मैं जाम में फंस गया तब मुझे लगा कि इनके यहां आज बना है। उन्होंने कहा कि नकहा से फर्टिलाइजर और स्पोर्ट्स कॉलेज जाने के लिए ओवरब्रिज बन गया है।

निजी अस्पताल में अवकाश पर था डाक्टर

दूसरे ने किया उपचार– हालत बिगड़ी और हो गई मौत, परिजनों ने किया हंगाम

गोरखपुर,संवाददाता। परिजन रविवार सुबह वीरेंद्र को चंद्रा लैप्रोस्कोपिक हॉस्पिटल में भर्ती कराए। आरोप है कि जिस डॉक्टर से इलाज की बात हुई थी, वह आठ मई तक अवकाश पर था। इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन ने दूसरे डॉक्टर से इलाज शुरू कर दिया। परिजनों का कहना है कि वे लगातार मरीज को किसी बड़े अस्पताल में रेफर करने की मांग कर रहे थे, लेकिन अस्पताल प्रशासन टालमटोल करता रहा। चिलुआताल क्षेत्र के फतेपुर गली के पास स्थित एक निजी अस्पताल में मंगलवार को मरीज वीरेंद्र यादव (26) की मौत के बाद परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। गुस्साए परिजन शव को अस्पताल के बाहर रखकर कार्रवाई की मांग करने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझाकर मामला शांत कराया।

जानकारी के मुताबिक, कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के पकड़ियार निवासी रामानंद यादव ने आरोप लगाया कि उनके छोटे भाई वीरेंद्र यादव को पेट में गंभीर समस्या थी। शुरुआत में उसे पडरौना के एक निजी दवा केंद्र पर दिखाया गया, जहां से उसे गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज चौकी के सामने स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई।

परिजन रविवार सुबह वीरेंद्र को चंद्रा लैप्रोस्कोपिक हॉस्पिटल में भर्ती कराए। आरोप है कि जिस डॉक्टर से इलाज की बात हुई थी, वह आठ मई तक अवकाश पर था। इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन ने दूसरे डॉक्टर से इलाज शुरू कर दिया। परिजनों का कहना है कि वे लगातार मरीज को किसी बड़े अस्पताल में रेफर करने की मांग कर रहे थे, लेकिन अस्पताल प्रशासन टालमटोल करता रहा।

आरोप है कि सोमवार देर रात करीब दो बजे मरीज की हालत अचानक बिगड़ने लगी।

इसके बावजूद अस्पताल से डिस्चार्ज नहीं किया गया। परिजनों की सहमति के बिना ही दूसरे डॉक्टर से ऑपरेशन करा दिया गया, जिसके बाद मरीज की मौत हो गई। मंगलवार शाम करीब पांच बजे आक्रोशित परिजन अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा करने लगे और चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

हंगामे की सूचना पर मेडिकल चौकी प्रभारी विकास मिश्रा मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। करीब एक घंटे बाद चिलुआतल पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद परिजन शव को अपने साथ घर लेकर चले गए। थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सर्पदंश से युवक की मौत

भड़के ग्रामीण, डॉक्टरों–स्वास्थ्यकर्मियों को दौड़ाकर पीटा, अस्पताल में की तोड़फोड़

गोरखपुर,संवाददाता। आहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के कोटवा गांव निवासी विजेंद्र सिंह के पुत्र नितेश सिंह (20) को मंगलवार सुबह करीब 11:10 बजे सांप ने काट लिया था। परिजन उसे आनन–फानन में सीएचसी देवतहां लेकर पहुंचे। आरोप है कि अस्पताल में उसे तत्काल इलाज देने के बजाय लाइन में खड़ा कर दिया गया और करीब 20 मिनट तक इंतजार कराया गया। सीएचसी देवतहां में मंगलवार को एक युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया, तोड़फोड़ की और डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को दौड़ा–दौड़ाकर पीट दिया। स्थिति बिगड़ते देख कई स्वास्थ्यकर्मी अस्पताल छोड़कर भाग निकले।

टूलेन ब्रिज का सीएम योगी ने किया लोकार्पण

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी ने कहा कि करीब बीस वर्ष पूर्व लोग तारामंडल क्षेत्र में रहने का साहस नहीं कर पाते थे। 1998 की बाढ़ के बाद यहां से लोग भाग रहे थे। यहां एकतरफ रामगढ़ताल की गंदगी थी तो दूसरी तरफ बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। पर, आज विकास के चलते सबसे महंगी जमीन इस क्षेत्र की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तेजी से आगे बढ़ते देश, प्रदेश के साथ ही गोरखपुर भी तीव्र प्रगति कर रहा है। 2017 के बाद गोरखपुर में विकास की विस्तृत श्रृंखला तैयार हुई है। विकास से बढ़ी सुविधाओं का लाभ लंबे समय तक प्राप्त होता रहे, इसके लिए नागरिकों को भी विकास कार्यों के संरक्षण की जिम्मेदारी उठानी होगी।

सीएम योगी मंगलवार दोपहर तारामंडल क्षेत्र में वाटर बॉडी पर बने टूलेन ब्रिज के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने फीता काटकर तथा बटन दबाकर शिलापट्ट का अनावरण करके 14.33 करोड़ रुपये की लागत से बने इस ब्रिज (पुल) को जनता को समर्पित किया। ब्रिज का निरीक्षण करने के बाद मंचीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में विकास से आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि 2017 के पहले गोरखपुर की छवि सुरक्षा के अभाव को लेकर थी। लोग माफिया और मच्छर से परेशान थे। गोरखपुर का नाम सुनकर लोग डरते थे। कोई निवेश करने नहीं आता था।

यहां का नौजवान अपनी पहचान का मोहताज था, नौकरी के लिए उसको भटकना पड़ता था, पहचान छुपाना पड़ता था। पर, आज उसको भटकना नहीं है और न ही पहचान छिपानी है। सीएम ने कहा कि वर्तमान में 50 हजार से अधिक नौजवानों को अकेले गोरखपुर के गीडा में उद्योगों के माध्यम से नौकरी और रोजगार प्राप्त हुआ है।

गोरखपुर को देखकर अचंभित और प्रफुल्लित होते हैं लोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो भी गोरखपुर आता है, यहां के बदलाव को देखकर अचंभित और प्रफुल्लित होता है। गोरखपुर में चारो ओर फोरलेन–सिक्सलेन की कनेक्टिविटी है। यहां एम्स बन गया है। खाद कारखाना और पिपराइच में चीनी मिल फिर से चल पड़ी है। उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान, आयुष विश्वविद्यालय, चिड़ियाघर, बेहतरीन पर्यटन स्थल रामगढ़ताल, कई होटल्स सहित अनेक सुविधाओं का यहां विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर का विकास सामुदायिकता के भाव से किए गए कार्य का परिणाम है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि कोई भी विकास कार्यों और सुविधाओं का नुकसान न करने पाए।

तारामंडल क्षेत्र बना समृद्धि का प्रतीक

सीएम योगी ने कहा कि करीब बीस वर्ष पूर्व लोग तारामंडल क्षेत्र में रहने का साहस नहीं कर पाते थे। 1998 की बाढ़ के बाद यहां से लोग भाग रहे थे। यहां एकतरफ रामगढ़ताल की गंदगी थी तो दूसरी तरफ बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। पर, आज विकास के चलते सबसे महंगी जमीन इस क्षेत्र की है। उन्होंने कहा कि वाटर बॉडी पर टूलेन ब्रिज बनने से इस समूचे क्षेत्र में इंटरनल कनेक्टिविटी और मजबूत हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा समृद्धि के प्रतीक के रूप में इस क्षेत्र को सबसे पॉश कॉलोनी माना जा रहा है। इस क्षेत्र में रामगढ़ताल पर्यटन का शानदार केंद्र बना है, चिड़ियाघर इसी क्षेत्र में है।

यहां कन्वेंशन सेंटर बन रहा है, तारामंडल का पुनरोद्धार हो रहा है, साइंस पार्क बनाया जा रहा है। साथ ही वाटर बॉडी का भी व्यवस्थित रूप से सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। सीएम ने जीडीए के अफसरों से कहा कि वे वाटर बॉडी को रामगढ़ताल के समकक्ष जोड़ने का प्रयास करें।

इस वाटर बॉडी में पानी बहता हुए दिखाई देना चाहिए जहां नौकायन का भी लोग आनंद उठा सकें। वाटर बॉडी के किनारे लोग परिवार सहित आ सकें, बच्चे खेल सकें। उन्होंने स्वच्छता और सुंदरता को लेकर मोहल्ले स्तर पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का आह्वान किया।

सीएम योगी के नेतृत्व में नजीर पेश कर रहा गोरखपुर : रविकिशन

कार्यक्रम में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि सीएम योगी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में गोरखपुर नजीर पेश कर रहा है। उन्होंने गोरखपुर को विकसित, स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाएं दी हैं। सांसद रविकिशन ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैलियों को प्रभावकारी बताया और इसके लिए उन्हें बधाई दी। स्वागत संबोधन गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह ने किया।

मजदूरों के साथ फोटो खिंचवाई सीएम योगी ने

तारामंडल क्षेत्र में वाटर बॉडी पर बने ब्रिज का लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब इस ब्रिज का निरीक्षण कर रहे थे, तभी उनकी नजर किनारे खड़े मजदूरों पर पड़ गई। मुख्यमंत्री ने उन्हें अपने पास बुला लिया और श्रम शक्ति का सम्मान करते हुए उनके साथ फोटो खिंचवाई। सीएम का सानिध्य पाकर मजदूर बेहद प्रफुल्लित नजर आए। ब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बच्चों से भी मुलाकात की और उन पर प्यार–दुलार लुटाया।

बाबी देओल की बंदर का टीजर रिलीज

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉबी देओल की नई फिल्म बंदर का टीजर रिलीज होते ही फैंस के बीच छा गया है। वो एक्टर के एकदम बदले तेवर और अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि ऐसा टीजर उन्होंने पहली बार देखा और रोंगटे खड़े हो गए हैं। इसे अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। बॉबी देओल की शबंदरश का टीजर रिलीज, फैंस बोले– ऐसा पहली बार देखा, रोंगटे खड़े हो गए एनिमल और श्द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपनी दमदार एक्टिंग से दिल जीतने के बाद बॉबी देओल अब शबंदरश बनकर आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म बंदर का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जो एकदम हटके है। इस फिल्म को अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है।

फिल्म में बॉबी देओल ने एक ऐसे शख्स का किरदार निभाया है, जो डेटिंग ऐप के फेर में फंस जाता है। जिन लड़कियों से वह डेटिंग ऐप के जरिए मिलते हैं, उनमें से एक बॉबी देओल को बुरा फंसा देती है।

सच्ची घटना पर आधारित बंदर, ये है कास्ट

फिल्म बंदर की कहानी सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोसले भी हैं। यह फिल्म बॉबी देओल और अनुराग कश्यप के बीच पहला कोलेब्रेशन है। इसमें बॉबी देओल ने अपने करियर का अभी तक का सबसे अलग और लीक से हटकर किरदार निभाया है।

बंदर के टीजर में बॉबी का डिस्को अवतार, पर खौफनाक ट्विस्ट

बंदर का टीजर आज के सिनेमा से एकदम अलग वाइब लेकर आया है। इसमें बॉबी देओल 70 के दशक के डिस्को वाले अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर में वह कम ऑन बेबी दिल किसको देगी गाने पर डांस करते और गिटार बजाते दिख रहे हैं। साथ ही

कुछ लड़कियों को भी देख रहे हैं। फिर उन्हीं में से कुछ लड़कियां एक डेटिंग ऐप के जरिए बॉबी देओल से मिलती हैं। फिर अचानक ही एक खौफनाक ट्विस्ट आता है, जिसके बाद बॉबी देओल की नींद उड़ जाती है और पूरी दुनिया ही पलट जाती है।

कहानी का रुख बदलता एक ट्विस्ट

बॉबी देओल का किरदार पुलिस के चंगुल में फंस जाता है। जो ट्विस्ट आता है, वो कहानी का रुख ही बदल देता है। यहां जो सामने आता है, वो उस कहानी की झलक है जो शुरुआत में दिखने वाली चीजों से कहीं ज्यादा बड़ी और उलझी हुई है। जैसे–जैसे टीजर की लय बदलती है और तेज होती जाती है, वैसे–वैसे अनुराग कश्यप के डायरेक्शन का जादू साफ दिखने लगता है।

हालीवुड के दिग्गज एक्टर के साथ नजर आएंगी

देसी गर्ल

एंटरटेनमेंट डेस्क। देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड में जाकर खूब रंग जमाया है। जल्द ही वह एक नई हॉलीवुड फिल्म 'रीसेट' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ एक दिग्गज हॉलीवुड एक्टर अभिनय करेंगे। प्रियंका चोपड़ा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। हाल ही में उनकी एक सीरीज 'सिटाडेल 2' रिलीज हुई। डायरेक्टर राजामौली की मेगा बजट दक्षिण भारतीय फिल्म 'वाराणसी' भी वह कर रही हैं। अब उनके हाथ एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट और लगा है। इस फिल्म का नाम 'रीसेट' है। यह एक सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म होने वाली है। दपबा

इस एक्टर के साथ करेंगी अगली फिल्म

डेडलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा को मैट स्मूकलर द्वारा निर्देशित आगामी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'रीसेट' मिली है। इस फिल्म में उनके साथ ऑरलैंडो ब्लूम को कास्ट किया गया है। प्रियंका चोपड़ा ने भी इस खबर को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और इस पर एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने रिएक्ट किया। प्रियंका चोपड़ा के फैंस ने भी इस न्यूज पर जमकर रिएक्शन दिया है।

जल्द फिल्म की शूटिंग होगी शुरू

फिल्म 'रीसेट' की शूटिंग को लेकर भी अपडेट सामने आया है। इस फिल्म की शूटिंग अगस्त महीने में शुरू हो सकती है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म में एक्टिंग करने के साथ इसे प्रोड्यूस भी करेंगी। बता दें कि हॉलीवुड में देसी गर्ल एक्टिंग के अलावा प्रोडक्शन की फील्ड में भी उतर चुकी हैं।

कब होगी प्रियंका की फिल्म वाराणसी रिलीज?

प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी की शूटिंग करने के लिए इन दिनों भारत आती रहती हैं। इस फिल्म में उनके हीरो महेश बाबू हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल महीने में रिलीज होगी।

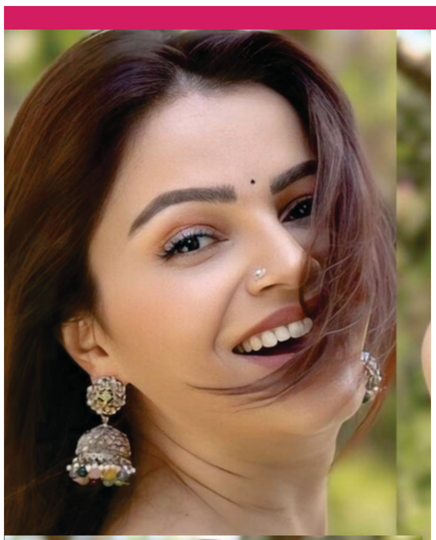

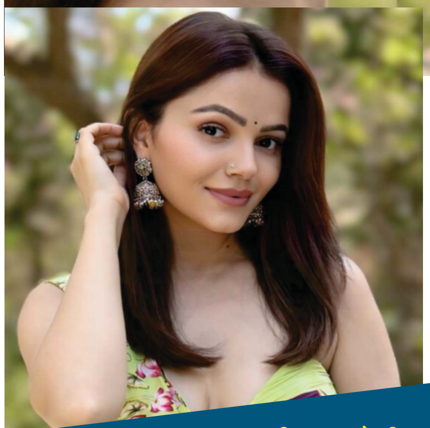

खूब इतराई टीवी की 'छोटी बहू'

रुबीना के नए शो को लेकर लंबे समय से बज बना हुआ है. शो की अनाउंसमेंट से पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा था कि मैं प्रेग्नेंट है.. टीवी की जानी–मानी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने सोशल मीडिया पर नई तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों में छोटी बहू फेम एक्ट्रेस का स्टाइलिश अंदाज देखते ही बन रहा है. रुबीना की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं. रुबीना ने साड़ी में तस्वीरें क्लिक करवाई हैं और उनके ब्लाउज डिजाइन ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

कश्मीरा परदेशी इन दिनों खूब चर्चा में हैं. उनका नाम पंजाब किंग्स के स्टार बल्लेबाज नेहल वढेरा के साथ जोड़ा जा रहा है. ऐसे में आइए जानते हैं आखिर कश्मीरा परदेशी कौन हैं।

नेहल वढेरा की रूमर्ड गर्लफ्रेंड

कश्मीरा परदेशी

कश्मीरा ने फिल्मों में आने से पहले कई विज्ञापनों में काम किया. उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म नर्तनशाला (2018) से की, जिसमें वो नगा शौर्य के अपोजिट नजर आई. इसके बाद करश्मीरा को साल 2019 में अक्षय कुमार की फिल्म मिशन मंगल में काम करने का मौका मिला।

एंटरटेनमेंट डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में हाल ही में पंजाब किंग्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स के चेपॉक स्टेडियम में हुआ था. इस रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने सीएसके को पांच विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की थी. इस मैच के दौरान एक मिस्ट्री गर्ल चर्चा में आई, जिनका नाम कश्मीरा परदेशी है. वो मैच के दौरान पंजाब के लिए चियर करती दिखीं. आइए जानते हैं आखिर कश्मीरा परदेशी कौन हैं. कश्मीरा परदेशी प्च्स 2026 में एक वायरल स्टैंड्स मोमेंट के बाद चर्चा में आ गई हैं. इसके अलावा वो नेटफ्लिक्स की टॉप वेब सीरीज श्ग्लोरीश को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं.कश्मीरा परदेशी को पंजाब किंग्स के स्टार बल्लेबाज नेहल वढेरा की रूमर्ड गर्लफ्रेंड बताया जा रहा है. कहा जा रहा है कि दोनों एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं. कश्मीरा का जन्म 3 नवंबर, 1997 को पुणे मे हुआ था. उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई पुणे के सेंट ऐनीज स्कूल से की और फिर ब्रिहन महाराष्ट्र कॉलेज ऑफ कॉमर्स में पढ़ाई की. इसके बाद उन्होंने मुंबई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की.।

T20 फॉर्मेट में कौन है भारत का बेस्ट कप्तान विकल्प? आपकी पसंद कौन?

शायद हम उन्हें अब नहीं देख पाएंगे... महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास और आगे के खेल पर बोले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप

भारत ने रचा इतिहास

लेबनान को 4-0 से हराकर पहली बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टरफाइनल में पहली बार जगह बना ली। टीम इंडिया ने अपने अंतिम ग्रुप-बी मुकाबले में लेबनान को 4-0 से करारी शिकस्त दी।

कैसे क्वार्टरफाइनल में पहुंचा भारत?

भारत के लिए प्रीतिका बर्मन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। उन्होंने मैच के सातवें और 85वें मिनट में गोल किए। वहीं, अल्वा देवी सेंजाम ने 36वें मिनट और जोया ने 72वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। यह मुकाबला सूझोउ ताइहु फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर में खेला गया। भारत का क्वार्टरफाइनल में पहुंचना तब पक्का हुआ जब ग्रुप-सी के मुकाबले में फिलीपींस और चाइनीज ताइपे की टीम जरूरी बड़े अंतर से जीत हासिल नहीं कर सकीं। फिलीपींस को 12 गोल और चाइनीज ताइपे को 13 गोल के अंतर से जीत चाहिए थी, जो संभव नहीं हो पाया।

रुद्रांक्ष पाटिल का सुरेंद्र सिंह मेमोरियल में शानदार प्रदर्शन, 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

स्पोर्ट्स डेस्क। महाराष्ट्र के रुद्रांक्ष पाटिल ने कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल निशानेबाजी चौंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। फाइनल में 252.9 का स्कोर कर उन्होंने हरियाणा के रोहित कन्यान (251.9, रजत) को हराया। महाराष्ट्र के रुद्रांक्ष पाटिल ने हरियाणा के रोहित कन्यान की कड़ी चुनौती को पार करते हुए शुक्रवार को कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल निशानेबाजी चौंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र के इस युवा निशानेबाज ने फाइनल में 252.9 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि कन्यान ने 251.9 के साथ रजत पदक जीता। पश्चिम बंगाल के बेदुरिया बिस्वास को 230.8 से कांस्य पदक मिला। पश्चिम बंगाल के अश्मित चटर्जी ने 251.0 के स्कोर के साथ जूनियर पुरुष वर्ग का खिताब जीता, जबकि उत्तर प्रदेश के पीयूष शर्मा ने 250.5 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। हरियाणा के रोहित कन्यान ने 229.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। पश्चिम बंगाल के अभिनव साव ने 254.4 के स्कोर के साथ युवा वर्ग का खिताब जीता और हरियाणा के प्रियांशु (249.7) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। हरियाणा के जतिन लांबा ने 228.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

बहुत महंगा है फुटबाल का जुनून! विश्वकप का फाइनल देखने के लिए खर्च करने होंगे 32 लाख रुपये

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा विश्वकप 2026 के फाइनल मुकाबले के टिकटों की कीमत 31 लाख रुपये से भी ज्यादा पहुंच गई है, जो हाल ही में हुए टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के टिकट से करीब 42 गुना अधिक है। डायनामिक प्राइसिंग सिस्टम के कारण टिकटों की कीमत लगातार बढ़ रही है, जिससे आम फैंस के लिए मैच देखना मुश्किल होता जा रहा है। वहीं, भारी डिमांड और सीमित उपलब्धता ने कीमतों को और बढ़ा दिया है, जिससे यह टूर्नामेंट अब तक का सबसे महंगा विश्व कप बन सकता है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहे फीफा विश्व कप 2026 का आगाज 11 जून से होगा। टूर्नामेंट में 48 टीमें शामिल होंगी। फुटबॉल का जुनून अगर आपके सिर पर सवार है, तो जेब ढीली करने के लिए तैयार रहिए। फीफा ने फाइनल के लिए टिकट की अधिकतम कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी की है। आइये जानते हैं।

क्या है फाइनल मैच के टिकट की कीमत?

दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद जब फीफा ने टिकट बेचे थे तब श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 अमेरिकी डॉलर थी यानी 8.12 लाख रुपये थी। इसके बाद कीमत में बढ़ोतरी हुई और 10,990 अमेरिकी डॉलर यानी 10.28 लाख भारतीय रुपये कर दी गई। अब फीफा ने 19 जुलाई को न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले के लिए टिकट की कीमत 32,970 अमेरिकी डॉलर यानी 31,10,816 रुपये कर दी है। यह दाम हाल ही में अहमदाबाद में हुए टी20 विश्वकप के फाइनल की टिकट की दाम से लगभग 42 गुना ज्यादा है। फीफा की आधिकारिक टिकट बिक्री वेबसाइट पर इन टिकटों को फ्रंट कैटेगरी वनश सीट बताया गया है। वहीं 10,990 डॉलर वाली पुरानी कैटेगरी अब केवल व्हीलचेयर और विशेष सुविधा वाले दर्शकों के लिए उपलब्ध है।

सेमीफाइनल और अमेरिका के मैचों के टिकट भी महंगे

टेक्सास के एटी एंड टी स्टेडियम में 14 जुलाई को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले के टिकट के दाम 11,130 डॉलर यानी 10,50,148 भारतीय रुपये तक पहुंच गए हैं। वहीं, अगले दिन अटलांटा के मर्सिडीज-बेन्ज स्टेडियम में खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के टिकट 10,635 डॉलर यानी 10,03,443 भारतीय रुपये तक बिक रहे हैं। अमेरिका के ग्रुप स्टेज मुकाबलों के टिकट भी काफी महंगे हैं। 12 जून को पैराग्वे के खिलाफ सोफी स्टेडियम में होने वाले मैच के टिकट 2,735 डॉलर यानी 2,58,055 भारतीय रुपये तक हैं। 19 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिएटल में होने वाले मैच के टिकट 2,715 डॉलर यानी 2,56,169 भारतीय रुपये तक बिक रहे हैं। 25 जून को तुर्किये के खिलाफ मुकाबले के टिकट 2,970 डॉलर यानी 2,80,229 भारतीय रुपये तक पहुंच चुके हैं।

टी20 विश्वकप 2026 फाइनल के टिकट का दाम

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आठ मार्च 2026 को हुए टी20 विश्वकप 2026 फाइनल के आधिकारिक टिकटों की शुरुआती कीमत दो हजार रुपये रखी गई थी। प्रीमियम सीटों की कीमत 20 हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक थी, जबकि हॉस्पिटैलिटी सूट्स के टिकट 50 हजार रुपये से 75 हजार रुपये के बीच थे।